अगर पंजे वाले की रहमत ना होती
तो अर्श की रूहो का क्या हाल होता
झूठी जिमी पर अगर तुम ना आते
तो हम बेसहारो का क्या हाल होता
1--दरगाहे मुकद्दस है ये दर मोमिनो का
इस दर के लिए ब्रह्मा विष्णु तरसते
अगर उनसे अपनी निसबत न होती
तो अर्स के फकीरो का क्या हाल होता, अगर पंजे वाले.....
2--जीते जी छोड़ेगे मुरदार दुनिया
यही तो पहचान है मोमिनों की
खुदा और उम्मत को चाहें हमेशा
इन के सिवा जाने क्या हाल होता, अगर पंजे वाले.....
3--हकीकत और मारफत का सजदा है इनका
शरीयत का सजदा बजाते नही है
सदा हक की लज्जत वो लेते यहीं पर
अर्शे अजीम पर क्या हाल होगा, अगर पंजे वाले.....
4--वजूदो को छोड़ो वाणी को समझो
वाणी तो है श्री श्यामा जी की रसना
कब्रो से मुरदे अब उठ रहे है
न उठने वालों का क्या हाल होगा, अगर पंजे वाले.....

Nijanand App